

میں حرجوں اور حرجوں کے لئے مَسْبُوب

वरिसत साफ्टवेयर से प्राप्त सम्पूर्ण रपिर्ट। सम्पूर्ण रपिर्ट तीन भागों में है और इसे पूर्ण स्वरूप में देखा जाना चाहिये।

पहला चरण- (आपके आँकड़े और व्यक्ति-वार रपिर्ट):

सलमान मय्यत द्वारा छोड़े गये जायदाद का बंटवारा

दिये गये आंकड़े:

कुल जायदाद = 18600

तजहीज़-तकफ़ीन का खर्च = 1000

करज़ = 5000

वसीयत = 2600

कुल तरका = 10000

तरका के दावेदार:

बीवियाँ = 2

बेटे = 3

बेटियाँ = 2

दादी = 5

बंटवारा इस तरह होगा:

(4). नरिणायक दादी के हस्से

इस मसले में मय्यत के माँ और बाप दोनों मौजूद नहीं हैं, साथ ही नानी और पर-नानी भी मौजूद नहीं हैं परन्तु दादी मौजूद है।

बयान किये गये हालात में सिर्फ़ दादी को तरका का छठा भाग (1/6) मल्लिगा यानी

1667 (1/6)

(3). बेटी के हस्से

इस केस में मैयत ने मुन्दर्जा ज़ैल वारसिान छोड़े है:

बेटे = 3

बेटियाँ = 2

बेटे और बेटियाँ अवशष्टि (असबा) बन कर अपना-अपना हस्सा क्रमानुसार 2:1 के अनुपात में हासलि करेंगे।

अवशष्टि (असबा)

(2). शौहर के हस्से

(1). बीवी के हस्से

इस मसले में चूक मय्यत ने ज़न्दिदा बेटे/ बेटियाँ छोड़े हैं, अतः तरका में बीवी/ बीवियों को आठवां हस्सा (1/8) मल्लिगा यानी

1250 (1/8)

चूक मैयत ने छोड़े हैं 2 बीवियाँ, अतः हर बीवी का हस्सा होगा (1/2) x 1250 यानी

625

बंटवारे का सारांश:

बीवियाँ = 2 (1250)- हसिसेदार (1/8)

बेटे = 3 (0)- असबा (अवशष्टि)

बेटियाँ = 2 (0)- असबा (अवशष्टि)

दादी = 5 (C)- हसिसेदार (1/6)

नरिणायक दादी (5/FM) = (1667)- हसिसेदार (1/6)

नोट: सरिफ हकदार वारसि को ही बचा हुआ अवशष्टि तरका का हसिसा मलैगा ।

कुल बांटा गया = 2917

बचा हुआ (अवशष्टि) = 7083

दूसरा चरण- (असबात [अवशष्टि]):

पहले बरेकेट के अन्दर दखिआए गये नम्बर वे जनिदा कुरानी-वारसि (जवील फरूज) हैं जो मय्यत ने छोडे हैं। दूसरे बरेकेट के अन्दर दखिआए गये नम्बर हसिसे को इकाई (युनटि) में बताते हैं। मय्यत के कुरानी वारसि और असबात (अवशष्टि) के बीच कुल तरका का बंटवारा इस तरह होगा:

मय्यत का कुल तरका = 10000

कुरानी-हसिसेदार (जवील फरूज)

बीवी (2) = 1250 (1/8)

शौहर (1) = 0 (0/0)

बेटी (2) = 0 (0/0)

नरिणायक दादी (5/FM) = 1667 (1/6)

कुल कुरानी-हसिसा = 2917

अवशष्टि (बचा हुआ) = 7083 (17/24)

असबात (अवशष्टि) [हसिसा फ्री-कस]:

बेटे (3) = 1771 (34/192)

बेटियाँ (2) = 885 (17/192)

तीसरा चरण- (औल/ रद्द):

इस मसले में औल या रद्द लागू नहीं होगा।

© यह रिपोर्ट तैयार हुआ सोफेक्सइन्डिया के वरिसत सोफ्टवेयर से आज
30/Oct/2015, 11:06:07

वरिसत हनिदी सोफ्टवेयर का उर्दू वर्सन हमारे वेबसाइट www.sofexindia.com से फ्री डाउनलोड करें।